मशीन उद्योग के विकास के निर्देशन के लिये तथा इस की समस्याओं और कठिनाइयों का अध्ययन करने के लिये उद्योग अधिनियम के अधीन एक विकास परिषद् कायम की गई है । परिषद् में (१) औद्योगिक उपक्रमों के मालिकों, (२) औद्योगिक उपक्रमों के कर्मचारियों (३) तकनीकी और दूसरे मामलों में विशेष जानकारी रखने वाले व्यक्तियों और (४) इस उद्योग द्वारा उत्पादित अथवा निर्मित माल के उपभोक्ताओं के प्रतिनिधि सम्मिलित हैं ।

इस उद्योग के विकास के लिये सरकार ने कोई विशेषज्ञ नियुक्त नहीं किया है । ताहम, केवल मशीनी औजार उद्योग के विकासार्थ, समय-समय पर कोलम्बो योजना के अधीन तकनीकी विशेषज्ञों की सेवाय प्राप्त की जाती हैं। विकास सकन्ध में विशेषज्ञ हैं जिन से हर समय सलाह मशवरा किया जा सकता है । मशीनी औजार इकाइयों की पुनः स्थापना और विस्तार के लिये राष्ट्रीय उद्योग विकास निगम द्वारा ऋणों का प्रबन्ध भी किया जाता है ।

विभिन्न प्रकार की मशीनों का निर्माण करने के लिये सरकारी क्षेत्र में दो कारपोरेशन नामशः हैवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन और हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड लगाये गये है, जिन में तेजी से प्रगति हो रही है । इनके अलावा हिन्दुस्तान मशीनटूल्स और प्रागा टूल्स कारपोरेशन लिमिटेड की गतिविधियों का विस्तार और विशाखन किया जा रहा है ।

बाल कला प्रदर्शनी

१६२२. **श्री म० ला० द्विवेदी** : क्या **वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक-कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि १६६१-६२ में कितनी बाल कला प्रदर्शनियां की गईं और इस के लिये किन-किन संस्थाओं को कितने रुपये की सहायता दी गई ?

वैज्ञानिक अनुसन्धान और सांस्कृतिक कार्य मंत्री (श्री हुमायूं कबिर) उपलब्ध सूचना के अनुसार १६६१-६२ में दो बाल कला प्रदर्शनियां "शंकर्स इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स कंपीटीशन कमेटी", नई दिल्ली ने कीं और एक "साधना वीकली" पूना ने । उन के लिये क्रमशः १,१०,००० रुपये और २,५०० रुपये के अनदानों की मंजूरी दी गई ।

अम्बाला करनाल और रोहतक क्षेत्रों के लिये कोयला

१६२३. **स्वामी रामेश्वरानन्द** सरस्वती : क्या **खान और इंधन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंजाब के पिछड़े एवं यमुना की बाढ़ से प्रभावित क्षेत्र अम्बाला-करनाल-रोहतक को क्या विशेष रूप से कोयला देने की योजना है ;

(ख) यदि हां, तो उस का विवरण क्या है ; और

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर नकारात्मक हो, तो उस का क्या कारण है जबकि वहां की जनता के कच्चे मकान बाढ़ से आये वर्ष गिर जाते हैं ?

खान तथा इंधन मंत्री (श्री के० दे० मालवीय) : (क) नहीं ।

(ख) प्रश्न ही नहीं उठता ।

(ग) प्राप्त सूचना के अनुसार राज्य सरकार के पास सम्बन्धित जिलों द्वारा बाढ़ों के कारण कोयले की कोई अतिरिक्त मांग नहीं की गई है ।

राष्ट्रीय महत्व की संस्थायें

१६२४. **श्री प्रकाश वीर शास्त्री** : क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुरुकुल कांगड़ी और जामिया मिलिया, दिल्ली को राष्ट्रीय महत्व की संस्था घोषित करते समय क्या उक्त संस्थाओं के साथ कुछ शर्तें भी रखी गई थीं ;